ओम शान्ति 15-10-12 मधुबन

प्राणेश्वर अव्यक्त मूर्त मात-पिता बापदादा के अति लाडले, सदा अव्यक्त मिलन की अनुभूति करने वाले, ड्रामा के हर राज को जानते, देखते सदा अचल-अडोल एकरस स्थिति में रहने वाले, निश्चयबुद्धि विजयी बाबा के नूरे रत्न निमित्त टीचर्स बहनें तथा सर्व ब्राह्मण कुल भूषण भाई-बहनें

मधुबन वरदाता की वरदान भूमि, चरित्र भूमि से ईश्वरीय स्नेह सम्पन्न मधुर याद स्वीकार करना जी।

बाद समाचार, आप सब बाबा के लवली लकी तीव्र पुरुषार्थी बच्चे योग तपस्या करते बाप समान सम्पन्न और सम्पूर्ण बनने की रेस तो कर ही रहे हो। बाबा तो हम सबको ड्रामा की अटल भावी पर सदा अचल-अडोल रह सर्व प्रश्नों से पार प्रसन्नचित्त रहने के इशारे देते रहे हैं। पिछली सीजन में विशेष संकल्प और समय की बचत करने का जो होमवर्क दिया है उसी प्रमाण ड्रामा के खेल को देखते सेकेण्ड में फुलस्टॉप लग जाता है।

आप सब बापदादा के साकार रथ दादी गुल्जार जी की तबियत का समाचार तो सुनते ही रहते हो। अभी दादी जी को एक-दो दिन में हॉस्पिटल से छुट्टी मिल जायेगी। लेकिन दादी इतना समय बेड पर रही है इसलिए काफी कमजोरी है। अभी भी कुछ समय बेड रेस्ट करनी होगी। साथ-साथ फीजियोथेरापी और दवाईयाँ भी चलती रहेंगी इसलिए सभी बाबा के बच्चों का जो संकल्प है कि बाबा आयेगा या नहीं तो आज इस पत्र द्वारा सूचित कर रहे हैं कि जब तक संगमयुग है तब तक बापदादा तो सदा हम बच्चों के साथ हैं और रहेंगे भी। सिर्फ अभी दो टर्न **(18 अक्टूबर और 2 नवम्बर)** में बापदादा का साकार तन द्वारा अव्यक्त मिलन सम्भव नहीं लगता है। लेकिन बापदादा कहते बच्चे मधुबन वरदान भूमि आप सबका घर है, बच्चों को आकर इस तपस्या भूमि में तपस्या करनी है। जैसे अभी इस टर्न में 2200 डबल विदेशी बाबा के बच्चे चारों ओर से पहुंचे हुए हैं, ऐसे ही भारतवासी भाई-बहनों का जो पहला टर्न 2 नवम्बर को है उसमें भी आने वाले बाबा के सभी बच्चों का मधुबन घर में स्वागत है। जैसे आप सबको संख्या दी गई है वैसे ही सेवाधारियों सहित सबको शान्तिवन में आकर विशेष अव्यक्त स्थिति बनाने व ज्वालामुखी तपस्या भट्ठी करने का हार्दिक निमन्त्रण है। दादियाँ और सभी महारथी भाई-बहनों की क्लासेस तो सबको मिलेंगी ही, साथ-साथ अव्यक्त वतन से बापदादा भी जरूर सभी बच्चों को कोई न कोई विशेष अनुभूतियाँ भी करायेगा। प्रोग्राम अनुसार टीचर्स बहनों का एकाउन्ट भी चलेगा। सभी कार्यक्रम विधिवत् रहेंगे इसलिए कोई भी अपने आने-जाने की रिजर्वेशन कैन्सिल न कराये।

अब अव्यक्त स्थिति द्वारा अव्यक्त मिलन मनाने व अव्यक्त बापदादा की अथक पालना का रिटर्न देने का समय है। इसलिए आप सबका तहेदिल से मधुबन घर में स्वागत है।

अच्छा सभी को बहुत-बहुत याद.....

ईश्वरीय सेवा में

B.K. Janki

(बी.के.जानकी)